राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड

कृषि निर्यात जोन

राज्य में जीरा, धनियॉ, मेथी, सौंफ, अजवाईन व दिल (सुवा) बीजीय मसाले बहुतायत से उगाये जाते हैं। देश में धनिये व मेथी के क्षेत्र तथा उत्पादन में राज्य का प्रथम स्थान व जीरे में दूसरा स्थान है। राज्य में करीब 2 लाख हैक्टेयर में धनियाँ, 3 लाख हैक्टेयर में जीरा, 80 हजार हैक्टेयर में मेथी, 27 हजार हैक्टेयर में सौंफ एवं 17000 हैक्टेयर में अजवाईन की खेती की गई। जिसमें 2.18 लाख टन धनियाँ, 1.15 लाख टन जीरा, 94 हजार टन मेथी, 26 हजार टन सौंफ तथा 13 हजार टन अजवाईन पैदा हुई है।

कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड व चित्तौड़गढ़ में राज्य का करीब 95 प्रतिशत धनिया तथा जोधपुर, पाली, जालौर व बाडमेर में 99 प्रतिशत जीरा पैदा होता है।

जीरे व धनिये के विशाल क्षेत्र को देखते हुए राज्य सरकार ने इनके निर्यात को बढ़ावा देने के लिए Exim Policy के तहत भारत सरकार की संस्था एपीडा, नई दिल्ली के साथ आपसी समझोते (MOU) पर हस्ताक्षर कर दिनांक 21.02.2005 को दो कृषि निर्यात जोन जीरा व धनियाँ की स्थापना की। कृषि निर्यात जोन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य के मसाला उत्पादक कृषकों की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में पहुँच के साथ उनको उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। कृषि निर्यात जोन जीरे में जोधपुर, बाड़मेर, पाली, नागौर व जालौर जिले तथा कृषि निर्यात जोन धनिये के अन्तर्गत झालावाड़, बारां, कोटा, बून्दी व चित्तौड़गढ़ को सम्मिलित किया गया है।

कृषि निर्यात जोन में कृषि, उद्यान, उद्योग, कृषि विश्वविद्यालय, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, निदेशालय कृषि विपणन, वाणिज्य कर आदि सहयोगी विभाग हैं, जो राज्य व केन्द्र सरकर की योजनाओं को प्राथमिकता से कृषि निर्यात जोन में लागू कर जीरा व धनिया की गुणवत्ता में सुधार, फसलोत्तर प्रबन्धन, विपणन तथा अनुसंधान के कार्य में मदद कर रहे हैं। राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड योजना की नोडल एजेन्सी है।

योजनान्तर्गत परियोजना काल में जीरे का 17000 मै0 टन तथा धनिये का 18400 मै0 टन निर्यात करने का लक्ष्य है। अब तक धनिये का 27810 तथा जीरा का 9676 मै0 टन निर्यात हो चुका है। योजना के संचालन हेतु परियोजना प्रबन्धक व विषय विशेषज्ञ संविदा पर पदस्थापित है तथा जिलों में सहायक

अभियन्ता (कृषि निर्यात जोन) कृषि निर्यात जोन की गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं, जो इच्छुक उद्यमियों/कृषकों को उत्पादन, फसलोत्तर प्रबन्धन व विपणन के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करते हैं तथा इच्छुक उद्यमियों को बैंक ऋण हेतु परियोजना रिपोर्ट बनाने में भी मदद करते हैं। धनिये के क्षेत्र में 105 व जीरे में 25 प्रसंस्करण इकाईयाँ निजी क्षेत्र में स्थापित कराई गई है। मसाले सुखाने हेतु 39 पक्के प्लेटफार्म धनिये क्षेत्र में तथा 15 पक्के प्लेटफार्म जीरे के क्षेत्र में कृषकों के खेतो पर मसाला बोर्ड के अनुदान से बनाये गये हैं। दोनों कृषि निर्यात क्षेत्र के निजी क्षेत्र में 21 नये भण्डार गृहों का निर्माण/उन्नयन कराया गया। धनियां के क्षेत्र में एक आधुनिक ग्राईन्डिंग व पैकेजिंग (कायोजेनिक) इकाई स्थापित कराई गई।

राज्य में 46 निर्यातक स्पाईस बोर्ड, कोचीन से पंजीकृत है तथा निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए 10 नये व्यापारियों को निर्यात का लाईसेन्स दिलाया गया। उद्यान विभाग के सहयोग से दो फायटो-सेनेट्री प्रयोगशाला (जोधपुर व कोटा) में स्थापित की गई, जिनका संचालन कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा व जोधपुर द्वारा किया जा रहा है। 8 रोग भविष्यवाणी केन्द्र कृषि विश्वविधालय के अनुसंधान केन्द्रों पर खोले गये हैं ताकि कृषकों को समय पर रोग व कीट के आगमन की सूचना मिल सके और कृषक समय पर फसलों का उपचार कर सके। उद्यान विभाग द्वारा जीरे व धनिये की उन्नत खेती की जानकारी देने हेतु जीरे के क्षेत्र में 3360 कृषकों को प्रशिक्षण आयोजित कर 18327 हेक्टेयर में प्रदर्शन आयोजित किये। इसी प्रकार धनिये के क्षेत्र में 2950 कृषकों को प्रशिक्षण दिला कर 14821 हेक्टेयर में प्रदर्शन लगाये गये।

1398 हेक्टेयर में धनिये तथा 1380 हेक्टेयर जीरे की जैविक खेती करने का कृषकों को प्रशिक्षण दिया। उद्यान विभाग द्वारा जीरे में 83881 तथा धनिये में 46186 कृषकों को सिंचाई हेतु फव्वारे संयंत्र उपलब्ध कराये। कृषि विपणन बोर्ड द्वारा 71 केम्प आयोजित कर 5991 कृषक/उद्यमियों को फसलोत्तर प्रबन्धन मूल्य संवर्धन व विपणन का प्रशिक्षण दिया गया। यही नहीं, जीरे व धनिये के क्षेत्र से कमशः 12 व 18 कृषकों को राष्ट्रीय स्तर के मसाला मेलों मे भाग लेने भेजा। 90 कृषकों/व्यापारियों को 3 दिन का विपणन व निर्यात प्रकिया व रिकार्ड संधारण का कोटा व जयपुर में प्रशिक्षण दिलाया। चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (NIAM) जयपुर के सहयोग से कृषकों को विपणन फसलोत्तर (प्रबन्धन) व मूल्य संवर्धन के बारे में विशेष कृषक जागृति शिविर आयोजित कर 4236 कृषकों को प्रशिक्षण से लाभान्वित किया। राजस्थान राज्य बीज निगम के सहयोग से धनिया का 363 तथा जीरे का 389 मै0 टन प्रमाणित/सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन कराके कृषकों को उपलब्ध कराया गया।

केन्द्र, राज्य तथा निजी क्षेत्र द्वारा विभिन्न योजनाओं में राशि रूपये 3939.00 लाख के विरूद्ध रूपये 57363.00 लाख निवेश किया गया है।

मसाला बोर्ड, कोचीन द्वारा रामपुरा भाटियान तहसील ओसियां, जिला जोधपुर तथा ग्राम निमाना तहसील रामगंजमण्डी जिला कोटा में दो स्पाईस पार्क की स्थापना की गई है। इन स्पाईस पार्को में प्रशिक्षण, गुणवत्ता जाँच, डिपो कन्टेनर, स्टरलाइजेशन आदि की सुविधा उपलब्ध होगी। इन सुविधाओं के उपलब्ध होने से राज्य के निर्यातकों को अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पडेगा।

जीरे व धनिये के निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु निर्यातकों को सतही भाड़े का 25 प्रतिशत अथवा रूपये 500 प्रति टन जो भी कम हो एवं समुद्री भाड़े पर रूपये 5000 प्रति कन्टेनर (20') अथवा रूपये 0.50 प्रति किलो जो भी कम हो अनुदान देने का प्रावधान है।

कृषि विपणन राजस्थान

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड

पंत कृषि भवन, जनपथ, जयपुर दूरभाषः 0141–2227336 फैक्स : 0141–2227096
ई–मेल : rsamb@rajasthan.gov.in वेबसाइट : www.rsamb.rajasthan.gov.in